

‘रोम्स सिस्टम’ के नाम पर बनाया जा रहा बहाना सीएमएचओ कार्यालय में ‘बाबूराज’! निलंबित अधिकारी गए, उनका करीबी अब भी जमा चार माह से आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन नहीं

हरिभूमि न्यूज ॥ छिंदवाड़ा, मनीष गड़करी

स्वास्थ्य विभाग में प्रशासनिक व्यवस्था सुधारने के लिए अधिकारियों पर कार्रवाई तो हो रही है, लेकिन अधिकारियों के जाने के बाद उनके कार्यकाल में प्रभावशाली रहे कर्मचारियों पर कार्रवाई नहीं होने से विभागीय व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मामला सीएमएचओ कार्यालय छिंदवाड़ा से जुड़ा है, जहां पूर्व सीएमएचओ डॉ. नरेश गुप्ताड़े निलंबित होकर जिला चिकित्सालय कटनी में पदस्थ किए जा चुके हैं, लेकिन उनके कार्यकाल में कार्यालय में प्रभाव रखने वाला एक कनिष्ठ कर्मचारी अब भी सीएमएचओ कार्यालय में ही जमा हुआ है। कर्मचारियों का आरोप है कि विनोद बघेल, जूनियर क्लर्क (एलडीसी) को पूर्व सीएमएचओ की विशेष कृपा प्राप्त थी और इसी प्रभाव के चलते उन्हें उनके मूल पदस्थापना स्थल से हटाकर सीएमएचओ कार्यालय में काम करने का अवसर मिला।

अब सवाल यह उठ रहा है कि जब पूर्व अधिकारी ही विभागीय कार्रवाई से जिले से बाहर भेजे जा चुके हैं तो उनके करीबी माने जाने वाले कर्मचारी को उसी कार्यालय में बनाए रखने का औचित्य क्या है। जबकि उनकी मूल पदस्थापना बिछुआ में है और वे इस कार्यालय में अटैचमेंट में है तो क्या कलेक्टर के आदेश को ताक में रखा गया या स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कलेक्टर के आदेश को नहीं मानते। मामला जो भी पर



चार महीने से वेतन का इंतजार

इस पूरे मामले का सबसे गंभीर पहलू सीएमएचओ कार्यालय से जुड़े आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन से संबंधित बताया जा रहा है। कर्मचारियों के अनुसार जून, जुलाई और अगस्त माह का वेतन अभी तक नहीं मिला है। सितंबर माह से नई व्यवस्था लागू होने की बात कही जा रही है, लेकिन पुराना भुगतान भी लंबित रहने से कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि रक्षाबंधन जैसे त्योहार भी कई कर्मचारियों ने बिना वेतन के गुजारे। जिन कर्मचारियों की आय का एकमात्र सहारा यही मासिक वेतन है, उनके लिए लगातार तीन-चार महीने तक भुगतान नहीं होना बेहद गंभीर स्थिति है। कई महिला कर्मचारियों के परिवार में बच्चों की पढ़ाई, इलाज, राशन और अन्य घरेलू खर्च इसी वेतन पर निर्भर है।

क्या है ‘रोम्स सिस्टम’, क्यों अटका भुगतान?

रोम्स का मतलब आउट सोर्सिंग प्रबंधन प्रणाली है जिसमें ऐसा सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है जिससे आउट सोर्स कर्मचारियों के वेतन ठेकेदार के एकाउंट में न जाकर कर्मचारियों के एकाउंट में डायरेक्ट ट्रांसफर किए जाते हैं। कर्मचारियों के अनुसार अब कार्यालय में रोम्स सिस्टम के माध्यम से आउटसोर्स कर्मचारियों के खाते में सीधे वेतन भुगतान की व्यवस्था की जा रही है। पूर्व व्यवस्था में ठेकेदार बिल, वाउचर और वेतन संबंधी दस्तावेज तैयार कर विभाग को देता था और भुगतान ठेकेदार के खाते में जाता था। इसके बाद ठेकेदार कर्मचारियों को वेतन देना था। नई व्यवस्था में ठेकेदार द्वारा आवश्यक दस्तावेज और वेतन शीट प्रस्तुत किए जाने के बाद कर्मचारियों के बैंक खातों में सीधे भुगतान किया जाना है। कर्मचारियों का आरोप है कि इसी बदलाव के चलते भुगतान प्रक्रिया को जानबूझकर लंबित किया जा रहा है। हालांकि यह भी गंभीर जांच का विषय है कि यदि नई व्यवस्था लागू हो गई है तो जून, जुलाई और अगस्त माह का भुगतान किस नियम के तहत रोक गया है और इसके लिए जिम्मेदार कौन है? विभाग को इसका स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

अटैचमेंट के कर्मचारी ने विभागीय शिकार हो रहे आउटसोर्स कर्मचारी चार हड़कंप मचाकर रखा है। प्रताड़ना का माह से वेतन को मोहताज है।

प्रदेश में शहर-शहर और गांव-गांव बिक रही अवैध शराब प्रदेश के मुखिया हैं मौन, सो रहा आबकारी विभाग

हरिभूमि न्यूज ॥ छिंदवाड़ा

प्रदेश में अवैध शराब का कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है। शहरों से लेकर गांवों और कस्बों तक शराब की अवैध बिक्री ने आम परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। सबसे गंभीर बात यह है कि जहरीली और मिलावटी शराब के सेवन से होने वाली मौतों की घटनाएं भी समय-समय पर सामने आती रहती हैं। इसके बावजूद अवैध शराब के नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाने में सरकार की कार्रवाई की लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। पूर्णिमा वर्मा ने कहा कि शराब केवल एक व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाती, बल्कि उसका असर पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। शराब की लत के कारण परिवार की मेहनत की कमाई का बड़ा हिस्सा नशे में खर्च हो जाता है। घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और परिवारों में तनाव एवं कलह बढ़ती है। कई बार शराब के नशे में होने वाली हिंसा का सबसे अधिक दंश महिलाओं और बच्चों को झेलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब और जहरीली शराब का मुद्दा केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि जन स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, परिवारों की आर्थिक स्थिति और बच्चों के भविष्य से जुड़ा गंभीर सामाजिक प्रश्न है।

जहरीली शराब बन सकती है जानलेवा

मिलावटी या जहरीली शराब का सेवन बेहद खतरनाक हो सकता है।



इसमें जहरीले रसायन या औद्योगिक अल्कोहल जैसे पदार्थ मिल जाने पर आंखों की रोशनी जाने, गंभीर अंग क्षति, बेहोशी, सांस लेने में परेशानी

शराब से परिवार और समाज को भारी नुकसान

शराब की बढ़ती उपलब्धता का असर विशेष रूप से गरीब और निम्न आय वाले परिवारों पर पड़ता है। नियमित शराब सेवन से परिवार की आय का बड़ा हिस्सा नशे में खर्च हो सकता है। बच्चों की शिक्षा और उनकी मूलभूत जरूरतें प्रभावित होती हैं। घरेलू कलह और हिंसा का खतरा बढ़ सकता है। सड़क दुर्घटनाओं और अन्य हादसों का जोखिम बढ़ता है। लंबे समय तक अत्यधिक शराब सेवन से शरीर के कई अंगों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं। परिवार पर कर्ज और आर्थिक संकट का बोझ बढ़ सकता है। महिलाओं और बच्चों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है। उन्होंने कहा कि शराब की समस्या को केवल व्यक्ति की आदत मानकर छोड़ देना उचित नहीं है। जब किसी गांव या मोहल्ले में आसानी से शराब उपलब्ध होने लगे, तो उसका प्रभाव पूरे समुदाय पर पड़ता है।

महिलाओं को आगे आना होगा

पूर्णिमा वर्मा ने महिलाओं से आह्वान करते हुए कहा कि शराब के खिलाफ सबसे मजबूत सामाजिक आवाज महिलाओं की हो सकती है, क्योंकि शराब की लत से होने वाले पारिवारिक और सामाजिक नुकसान को महिलाएं प्रत्यक्ष रूप से झेलती हैं। उन्होंने कहा, “यदि हम अपने परिवारों को नशे के दुष्प्रभाव से बचाना चाहते हैं, तो महिलाओं को एकजुट होकर शराब के खिलाफ आवाज बुलंद करनी होगी। जरूरत पड़ने पर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से सड़कों पर उतरकर सरकार से प्रभावी शराब बंदी और अवैध शराब पर कठोर कार्रवाई की मांग करनी होगी। उन्होंने महिलाओं, युवाओं, सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नशानुक्ति के लिए जनजागरूकता अभियान चलाएं। साथ ही अवैध शराब की बिक्री की जानकारी संबंधित प्रशासन और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों तक पहुंचाएं।

सरकार से जवाबदेही की मांग: पूर्णिमा वर्मा ने प्रदेश सरकार से सवाल किया कि जब शहरों और गांवों में अवैध शराब की शिकारतें लगातार सामने आती हैं, तो इस कारोबार पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए प्रभावी और स्थायी व्यवस्था क्यों नहीं बनाई जा रही है?

हरिभूमि में खबर छपते ही जागा प्रशासन, कलेक्टर कार्यालय निर्माण स्थल पर लगेला सूचना फलक



निर्माण स्थल पर नियमानुसार पारदर्शी सूचना फलक स्थापित कर दिया गया। सूचना फलक पर दर्ज निर्माण परियोजना का विवरण :- साइट पर लगाए गए इस बोर्ड पर परियोजना की स्वीकृत लागत, निर्माण एजेंसी का नाम, भवन का स्वीकृत प्लान और कार्य पूरा करने की समय-सीमा सहित सभी आवश्यक तकनीकी तथ्यों को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। इसके अब आम नागरिकों को इस महत्वपूर्ण सरकारी परियोजना से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

3 माह में प्रथम स्लैब की तैयारी, निर्माण की गति से नागरिक प्रसन्न :- इधर, पांडुर्णा जिले के इस ड्रीम प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य अमूर्तपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है। महज 3 महीने के अप्रूप समय में ही इस विशालकाय भवन के प्रथम स्लैब तक की तैयारी पूरी हो जाना इसकी तेज कार्यप्रणाली को दर्शाता है। कलेक्टर कार्यालय के इतने तीव्र गति से हो रहे निर्माण को देख स्थानीय नागरिकों में अपार हर्ष है। ‘दैनिक हरिभूमि’ की सजग प्रकाशिका की सराहना :- स्थानीय निवासियों का कहना है कि जहां एक ओर निर्माण कार्य की रफ्तार प्रशंसनीय है, वहीं श्रद्धालु हरिभूमि ने एक सजग प्रहरी की भूमिका निभाते हुए नियमों का पालन सुनिश्चित करवाया है। पारदर्शी व्यवस्था कायम करने और जनता के अधिकारों की आवाज उठाने के लिए शहरवासियों ने दैनिक हरिभूमि की इस सराहनीय पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की है।

5 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ तीन आरोपियों को पकड़ा

नागपुर से लाकर छिंदवाड़ा में बेचने की तैयारी, 3 मोबाइल, दो वाहन और 3700 रुपए नकद जब्त

हरिभूमि न्यूज ॥ छिंदवाड़ा

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने एमडी ड्रग्स की तस्करी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5 ग्राम एमडी ड्रग्स, तीन मोबाइल फोन, दो दोपहिया वाहन और 3700 रुपए नकद सहित करीब 3.81 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया है। कार्रवाई 6 सितंबर को औद्योगिक क्षेत्र इमलीखेड़ा में की गई। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि सिवनी निवासी विशाल विश्वकर्मा (27) दोपहिया वाहन से एमडी ड्रग्स लेकर इमलीखेड़ा क्षेत्र में पहुंचने वाला है और इसे न्यूटन निवासी



अनिमेष सूर्यवंशी (28) को बेचने वाला है। सूचना पर कोतवाली पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। तलाशी में 5 ग्राम एमडी ड्रग्स, दो मोबाइल, वाहन और 2700 रुपए नकद बरामद हुए। पूछताछ में विशाल ने पुलिस को बताया कि उसने एमडी ड्रग्स नागपुर निवासी अब्दुल राशीद कुंशी (49)

से खरीदी थी। इसके बाद पुलिस ने नागपुर पहुंचकर अब्दुल राशीद को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से दोपहिया वाहन, मोबाइल और 1000 रुपए नकद जब्त किए गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

हरिभूमि न्यूज ॥ छिंदवाड़ा

कलेक्टर हरेंद्र नारायण ने कहा कि फूड सेफ्टी ऑफिसर हाईजीन को लेकर जिले के रेस्टोरेंट, होटल आदि में औचक निरीक्षण की कार्यवाही जारी रखें और कमियों की विंदुवार जानकारी नोटिस में संचालकों को देते हुए कमियां दूर कराएं। नागरिकों की संहत और स्वास्थ्य में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

कलेक्टर श्री नारायण सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में



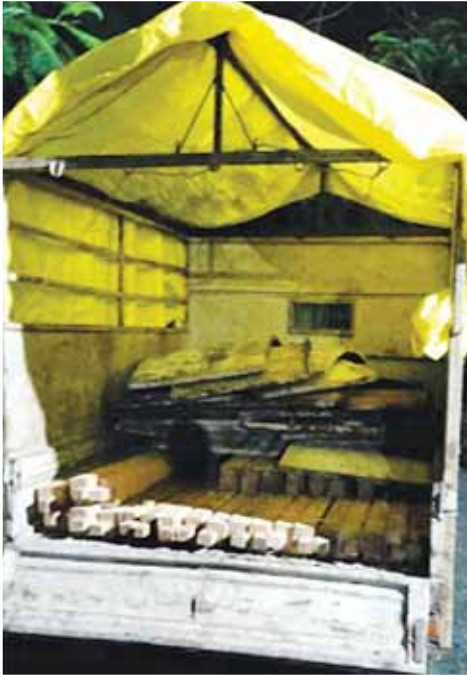
सीएम हेल्पलाइन शिकायतों व जनसुनवाई आवेदनों के निराकरण और मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के जिले में क्रियान्वयन की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत, वनमंडल अधिकारी, अपर कलेक्टर सहित जिला प्रशासन और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय

एवं मुख्यालय स्तर के अधिकारी सभाकक्ष में उपस्थित थे, जबकि जिले के अन्य सीएमएसडीएम एवं खंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल थे।

कलेक्टर श्री नारायण ने बताया कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जिले से निर्धारित रोस्टर में आंशिक संशोधन करते हुए

अखबारों की खबरों के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं?

छिंदवाड़ा जिले के विभिन्न वन क्षेत्रों में अवैध कटाई और सागौन तस्करी की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। सोशल मीडिया पर भी जंगलों में कटाई से जुड़े वीडियो और तस्वीरें सामने आती हैं। इसके बावजूद वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संबंधित क्षेत्रों में जिम्मेदारी तय करने को लेकर ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस बीट अथवा क्षेत्र से बार-बार अवैध सागौन पकड़ी जाती है, वहां तैनात जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही कब तय होगी? केवल तस्करी पर प्रकरण दर्ज कर देने से जंगलों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकती।



छोटी कार्रवाई से नहीं रुकेगी जंगल कटाई

वन विभाग द्वारा कभी वाहन, कभी लकड़ी के लठ्ठे अथवा कुछ चौखट पकड़कर कार्रवाई किए जाने के बावजूद यह जंगलों में कटाई का सिलसिला जारी रहता है तो यह विभाग की निगरानी व्यवस्था की समीक्षा का समय है यदि किसी क्षेत्र में लगातार वन अपराध सामने आ रहे हैं तो वहां के जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस, स्थानांतरण या निलंबन जैसी कार्रवाई का सामना भी करना चाहिए। वनों की सुरक्षा केवल कागजी कार्रवाई से नहीं हो सकती। तस्कर पकड़े जाने के साथ यह भी तय होना चाहिए कि सागौन जंगल से निकली कैसे और जिम्मेदार अमला उसे रोक क्यों नहीं पाया। जब तक इस सवाल का जवाब तय नहीं होगा, तब तक एक-दो कार्रवाई के बाद फिर वही सिलसिला शुरू होने की आशंका बनी रहेगी। छिंदवाड़ा के जंगल जिले की प्राकृतिक धरोहर हैं। इनकी सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही हुई तो उसका नुकसान केवल वन विभाग की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को उठाना पड़ेगा। अब जरूरत तस्करी के साथ-साथ जवाबदेही तय करने की कार्रवाई की है।

पटाखे फोड़कर सागौन तस्करों ने फिर किया फर्नीचर कारखाने की शुरुआत

हरिभूमि ने बखर जेन के सागौन तस्करों के विरुद्ध खबरों का प्रकाशन किया था और तस्करी के कई राज खोलते हुए खबरों का प्रकाशन किया था और इसके बाद वन परिक्षेत्र अधिकारी चौरई की वंदना पाल ने सागौन तस्करों को मद्दद करते हुए सुबह 7 बजे ही छापामार कार्यवाही की जानकारी दी और वहां पहुंच गई और उन्हें वहां कुछ भी गड़बड़ नहीं मिला। दरअसल उन पर यह आरोप है कि इन्हीं की शह पर बफरजोन की लकड़ियां आधा रात को बफर जेन से कटर मोया बिछुआ के क्षेत्र में पहुंचती हैं और लकड़ी तस्कर बड़ा कारखाना चलाते हुए मशीनों का उपयोग करते हुए लकड़ी काटकर फर्नीचर बनाते हैं और बिछुआ की लकड़ियां पूरे प्रदेश में सप्लाई हो रही हैं और यह काम बेखोफ होकर चल रहा है। खबर के बाद जागे प्रशासन ने वन परिक्षेत्र अधिकारी नीरज बिसेन के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापामार कार्यवाही की थी जिसमें उन्होंने अवैध सागौन के लठ्ठे पकड़े थे और कार्यवाही करते हुए मशीनें सील की थीं। परंतु विभाग की लवर कार्यप्रणाली के चलते बिछुआ में पुनः अवैध लकड़ी के फर्नीचर बनाने का कारखाना फल फूलने लगा है। अधिकारियों से सांठगांठ होने के बाद एक बार फिर इन तस्करों द्वारा कारखाने का संचालन किया जा रहा है। यह बात बहुत ही दिलचस्प है इन तस्करों के हाथसे अधिकारियों के संरक्षण में इतने बुलंद हो चुके हैं कि अधिकारियों से वलीन टिट, हरी झांडी मिलते ही इन्होंने पटाखे फोड़कर पुनः अवैध कारोबार को आबाद किया है। शिकायतोंओं और जंगल बचाओ मुहिम के समर्थक विचारधारा वाले लोगों को खुलेआम चुनौती दी है कि लकड़ी तस्करों का कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता। यद्यपि इस विषय को लेकर अब भीपाल स्तर के अधिकारियों को शिकायत की जा रही है। देखना होगा कि वे छिंदवाड़ा के जंगलों के प्रति कितने संवेदनशील हैं।

कार्रवाई एक, सवाल अनेक

सागौन तस्करी के खिलाफ हुई कार्रवाई को वन विभाग की उपलब्धि माना जा सकता है, लेकिन आमाझिरी वन परिक्षेत्र में लगातार सामने आ रहे अवैध सागौन कटाई और परिवहन के मामलों ने विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगते रहे हैं कि जंगलों में नियमित गश्त और निगरानी प्रभावी तरीके से नहीं हो रही है। सवाल यह है कि यदि जंगलों में लगातार अवैध कटाई हो रही है और लकड़ी तैयार कर उसे वाहनों से दूसरे स्थानों तक ले जाया जा रहा है तो बीट स्तर से लेकर रेंज स्तर तक इसकी भनक समय रहते क्यों नहीं लगती?

कलेक्टर ने ली समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

हाईजीन को लेकर रेस्टोरेंट-होटल की औचक जांच लगातार जारी

शिविर दिवस में अपनी संस्थाओं का निरीक्षण नहीं करने वालों को जारी होंगे नोटिस

कलेक्टर श्री नारायण ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी जिला अधिकारी सीएम जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित प्रत्येक शिविर के प्रथम चरण में अपने विभाग से संबंधित संस्थाओं का निरीक्षण करेंगे और परख ऐप में ऑनलाइन निरीक्षण प्रतिवेदन दर्ज करेंगे। जिसके बाद द्वितीय सत्र में आयोजित शिविर स्थल पहुंचकर नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे और क्षेत्र से संबंधित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण करेंगे। इसी तरह ब्लॉक लेवल अधिकारी भी अपने अपने क्षेत्र में फील्ड भ्रमण पर रहनें और संस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने दिशानिर्देश में आयोजित संस्थाओं का निरीक्षण नहीं करने और परख ऐप में जानकारी दर्ज नहीं करने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

अगला क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम बीते शुक्रवार को जन्माष्टमी पर्व के कारण इस सप्ताह शुक्रवार 11 सितंबर को छिंदवाड़ा विकासखंड के ग्राम सुसरई में आयोजित किया गया है। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को इस शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने और आमजन की अधिक से अधिक शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही निर्देशित किया है कि ब्लॉक स्तरीय समाधान के लिये जिंस विभाग की शिकायत प्री सोल में चयनित होंगी।

किसानों की खड़ी फसलें तबाह, कलेक्टर से मुआवजा और सुरक्षा की गुहार सावजपानी में जंगली सुअरों का आतंक

हरिभूमि न्यूज►►पांडुर्णा

विकासखण्ड के ग्राम सावजपानी माल एवं रैयत में इन दिनों जंगली सुअरों के बढ़ते प्रकोप से किसान बेहद परेशान हैं। सुअरों के बड़े-बड़े झुंड रात के अंधेरे में जंगलों से निकलकर सीधे खेतों में धावा बोल रहे हैं, जिससे मक्का और मूंगफली जैसी तैयार फसलें पूरी तरह चौपट हो रही है।

एक ही रात में डेढ़ एकड़ मक्का बर्बाद

सावजपानी माल के पीड़ित किसान गिरधारी पाटिल ने बताया कि सुअरों के झुंड ने एक ही रात में उनके खेत की लगभग डेढ़ एकड़ मक्के की फसल को तहस-नहस कर दिया। किसान धनुष कोरडे, धनजी खापरे और



कैलाश डोंगरे ने भी इसी तरह के भारी नुकसान की बात कही है। किसानों का कहना है कि भारी बारिश, खाद के बड़े दाम और महंगी कीटनाशक दवाइयों के

कारण खेती की लागत पहले ही आसमान छू रही है। अब जंगली जानवरों का यह प्रकोप खेती को पूरी तरह घाटे का सौदा बना रहा है।

देश-प्रदेश के नामी पहलवान दिखाएंगे दमखम, 201 से 15001 रुपए की होगी मुख्य इनामी कुश्ती 14 सितंबर को पिंडरई डबीर में सजेगा कुश्ती का महासंग्राम

हरिभूमि न्यूज►►सिंगोड़ी

अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पिंडरई डबीर में पारंपरिक भारतीय कुश्ती के रोमांचक मुकाबलों का इंजार कर रहे खेल प्रेमियों के लिए बड़ी खबर है। पिंडरई डबीर के बजरंग मंदिर, हाईवे मेन रोड पर आगामी 14 सितंबर 2026 दिन सोमवार को भव्य विशाल इनामी दंगल का आयोजन होने जा रहा है। दंगल दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होगा।

दंगल का आयोजन सार्वजनिक दंगल समिति ग्राम पिंडरई डवीर के द्वारा आयोजित किया गया है दंगल में अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे नामचीन पहलवान अखाड़े में जोर-आजमाइश करते नजर आएंगे। मिट्टी के अखाड़े में पहलवानों के दांव-पेंच, शक्ति और कुश्ती कौशल का रोमांच देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है।

इस दंगल में महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा ,छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश के देवास ,इंदौर ,जबलपुर सिवनी, बैतुल ,नरसिंहपुर ,सागर जिले से जोर आजमाइश के लिए प्रतिवर्ष गणेश चतुर्थी को दंगल पहलवान अपनी प्रतिभा को दिखाने पिंडरई डबीर ग्राम आते हैं और कुश्ती लड़ते है जो कि संपूर्ण जिले में

कलेक्टर जनसुनवाई बनी रस्म अदायगी - राकेश बनोटे

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

जनपद पंचायत खैरलॉजी के पूर्व अध्यक्ष राकेश बनोटे ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रति सप्ताह मंगलवार को कलेक्ट्रेट में होने वाली जनसुनवाई, जिसमें



अधिकारियों द्वारा दावा किया जाता है कि जन सामान्य लोगों की शिकायत सुनकर उन्हें तत्काल निराकरण किया जाता है, जो एक मिथ्या साबित हुआ है।

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर द्वारा आवेदकों से आवेदन तो लिया जाता है और उस आवेदन को संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण हेतु सौंप दिया जाता है और उसके बाद संबंधित विभाग के अधिकारी उस आवेदन को कचरे के डिब्बे में डाल देते हैं और उसके बाद जब आवेदक संबंधित विभाग के अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी प्राप्त करना चाहता हैं, तो संबंधित विभाग अनभिज्ञता दर्शाता

हैं। यही कलेक्टर जनसुनवाई की वास्तविकता है और यही नहीं जब आवेदकों द्वारा अपनी समस्याओं को लेकर निराकरण हेतु सीएम हेल्पलाइन 181 में अपनी शिकायतें दर्ज करवाते हैं, तो उसमें भी यही हालत है 181 की सीएम हेल्पलाइन साल दो साल घूमती रहती हैं, पर उसका निराकरण नहीं हो पाता और यही स्थिति सूचना के अधिकार की हैं। यही नहीं यदि भ्रष्टाचार के संबंध में शिकायत की जाती हैं, तो जांच अधिकारी भी उसे ही बनाया जाता हैं, जो उस भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं।

. श्री बनोटे ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया है कि ऐसी लचर व्यवस्था बनाने वाले, जो भारतीय जनता पार्टी की सरकार को बदनाम करने में लगे हैं, ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का कष्ट करें, ताकि हितग्राहियों की समस्याओं का निराकरण हो सके।

धान की फसल को रोगों से बचाने वैज्ञानिकों ने बताए प्रभावी उपाय

बालाघाट। धान की फसल में इस समय विभिन्न रोगों के प्रकोप की संभावना को देखते हुए किसानों को सतर्क रहने और फसल की नियमित निगरानी करने की सलाह दी गई है। समय पर रोग की पहचान और उचित नियंत्रण उपाय अपनाकर फसल को नुकसान से बचाया जा सकता है। उपसंचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि धान में प्रमुख रूप से झुलसा रोग (ब्लास्ट), जीवाणु झुलसा, भूरा धब्बा, शीथ ब्लाइट, फॉल्स स्मट (कंडुआ), टंग्रो तथा शीथ रॉट रोग देखे जाते हैं। झुलसा रोग में पत्तियों पर आंख के आकार के भूरे धब्बे बनते हैं और बालियों की गर्दन काली होकर सूख सकती है। जीवाणु झुलसा रोग में पत्तियां किनारे से पीली होकर सूखने लगती हैं। भूरा धब्बा रोग में पत्तियों पर गोल या अंडाकार भूरे धब्बे दिखाई देते हैं।

कटंगी-सिवनी मुख्य मार्ग पर FCI गोदाम के बाहर सड़क पर खड़े रहते हैं दर्जनों मालवाहक, हादसे को न्योता

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

कटंगी-सिवनी मुख्य सड़क मार्ग पर भारतीय खाद्य निगम (FCI) के गोदाम के बाहर मुख्य सड़क पर बड़ी संख्या में मालवाहक वाहनों के खड़े रहने से हमेशा सड़क हादसे का खतरा बना रहता है। बावजूद इसके इस ओर न तो पुलिस प्रशासन का ध्यान है और न ही भारतीय खाद्य निगम गंभीर दिखाई दे रहा है। जबकि पूर्व में यहां पर सड़क हाथों के बाद दो लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी हैस्थानीय लोगों के अनुसार एफसीआई के गोदाम परिसर के अंदर मालवाहक वाहनों के खड़े रहने की पर्याप्त व्यवस्था है। परिसर में बड़ा ग्राउंड भी है, किंतु इसके बावजूद ट्रक चालक और ठेकेदार सुविधा के लिए वाहनों को मुख्य सड़क पर ही खड़ा कर देते हैं। कई-कई दिनों तक वाहन सड़क के दोनों ओर कतार में खड़े रहते हैं। सबसे खतरनाक स्थिति तब बनती है जब सड़क पर ही वाहनों से माल की क्रांसिंग की जाती है। एक ट्रक से दूसरे ट्रक में बोरे पलटने का काम बीच सड़क पर चलता रहता है। इस दौरान मजदूर सड़क पर ही बिखरे रहते हैं और यातायात बाधित होता है। रात के समय तो खतरा और बढ़ जाता है, क्योंकि खड़े ट्रकों पर न तो कोई इंडिकेटर जलता है और न ही कोई सुरक्षा संकेत।कटंगी-सिवनी मार्ग व्यस्ततम मार्ग है। हर दिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन इसी मार्ग से गुजरते



है। सड़क पर खड़े ट्रकों के कारण सड़क की चौड़ाई आधी रह जाती है। तेज गति से आ रहे वाहनों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है, जिससे टक्कर की आशंका बनी रहती है। कई बार बाइक सवार और साइकिल सवार खड़े ट्रकों से टकराते-टकराते बचे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार इसकी शिकायत पुलिस और प्रशासन से की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। एफसीआई प्रबंधन भी अपने गोदाम के बाहर की व्यवस्था को लेकर लापरवाह बना हुआ है। नियमानुसार गोदाम के बाहर यातायात व्यवस्था और सुरक्षा की जिम्मेदारी निगम की भी है, लेकिन वह भी आंखें मूंदे हुए है।नागरिकों ने मांग की है कि पुलिस प्रशासन तत्काल इस ओर ध्यान देकर सड़क पर खड़े वाहनों को हटवाए और एफसीआई प्रबंधन को निर्देशित करे कि सभी मालवाहक वाहनों को गोदाम परिसर के अंदर ही खड़ा करवाया जाए। साथ ही सड़क पर माल की क्रांसिंग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए ताकि किसी बड़े हादसे को टाला जा सके।

दोहरे प्रभार की भेंट चढ़ी व्यवस्था

जुन्नारदेव : जनपद पंचायत जुन्नारदेव अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मदकाढाना में सोमवार को दोपहर करीब दो बजे का पंचायत भवन के मुख्य दरवाजों पर ताला लटका रहा। कार्यदिवस और कार्यालयीन समय के दौरान पंचायत बंद रहने से समस्त शासकीय कार्य पूरी तरह ठप पड़े रहे। जिसके चलते जरूरी प्रमाण पत्रों, योजनाओं के आवेदनों और अन्य प्रशासकीय कार्यों के लिए पहुंचे ग्रामीणों को बिना काम कराए बैरंग लौटना पड़ा। मदकाढाना ग्राम पंचायत की कमान प्रभारी सचिव के हाथों में है जिनके पास दो पंचायतों का कार्यभार है। इस व्यवस्था के चलते सचिव आए दिन पंचायत मुख्यालय से नदारद रहते हैं। एक साथ दो पंचायतों की जिम्मेदारी दिए जाने के कारण जमीनी स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित नहीं हो पा रही है और शासन की जनहितैषी योजनाओं का क्रियान्वयन भी प्रभावित हो रहा है।

हुनर से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम, दमुआ कॉलेज में कुकिंग प्रशिक्षण प्रारंभ



दमुआ। युवाओं को हुनरमंद बनाकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में शासकीय महाविद्यालय दमुआ ने महत्वपूर्ण पहल की है। महाविद्यालय में एक माह का कुकिंग, बैकिंग एवं माइक्रोवेव कुकिंग उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 सितंबर 2026 से प्रारंभ हो गया है।महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रश्मि दास के मार्गदर्शन एवं स्वामी वित्तेकानंद कैरियर प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण में रानी सुमन सामाजिक विकास समिति द्वारा युवाओं को विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार करने, बैकिंग एवं माइक्रोवेव कुकिंग की आधुनिक तकनीकों के साथ भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं रसोई प्रबंधन का व्यावहारिक ज्ञान दिया जा रहा है।प्राचार्य श्रीमती रश्मि दास ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के लिए पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक एवं रोजगारपरक कौशल भी आवश्यक है। कुकिंग, बैकिंग एवं माइक्रोवेव कुकिंग का यह प्रशिक्षण युवाओं को अपने हुनर को रोजगार और स्वरोजगार में बदलने का अवसर देगा तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करेगा।

लायंस सेवा समिति दमुआ में मनाई कृष्ण जन्माष्टमी



दमुआ। लायंस सेवा समिति दमुआ में गरिष्ठ भोज परिसर दमुआ में भगवान श्री कृष्ण जी का जन्म उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर पंडित सतीश श्रुत्ता महाराज द्वारा भगवान श्री कृष्ण जी का विधि विधान से पूजन अर्चन कर भगवान जी को भोग लगाया गया साथ ही कृष्ण मेडिकल दमुआ के कृष्ण भाई का जन्मदिन भी मनाया गया एवं सभी ने बरगश बारी-बारी से भगवान श्री कृष्ण जी की लीलाओं का वर्णन बताए तत्पश्चात ग्रामीण जनों से आए ग्रामीणों को वस्त्र वितरण एवं सभी को स्वच्छपाद साबुदाना प्रसाद भी वितरण किया गया एवं भाई कृष्ण द्वारा एक वृक्ष भी लगाया गया उपस्थित समिति के प्रभारी सदस्य कार्यकर्ता सभी ने भगवान श्री कृष्ण के जय जयघोष लगाये जिससे सारा माहौल भक्ति मय हो गया एवं भगवान से प्रार्थना किये के सभी का जीवन मंगलमय हो कार्यक्रम में उपस्थित डॉक्टर आरके विश्वकर्मा मदन सोनी राकेश खातरकर रमनलाल सुर्या बुललाल प्रजापति एस आर परिहार कृष्ण भाई कमलेश भाई सोहन चौहान उमेश डेहरिया वासुदेव राजत मौजूद रहे।

कोस्ते के 23 कांग्रेसजनों ने विधायक की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट होकर दिया इस्तीफा

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

स्थानीय विधायक विवेक पटेल की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट होकर ग्राम कोस्ते के 23 पुराने कांग्रेसियों ने एक साथ पार्टी की सदस्यता से त्याग पत्र दे दिया हैं, इन कांग्रेसियों के पार्टी छोड़ने से कांग्रेस संगठन में खलबली मच गई हैं। इन कांग्रेसियों के इस्तीफा देने की मुख्य वजह विधायक विवेक पटेल द्वारा संगठन और कार्यकर्ताओं की लगातार उपेक्षा कर बाहरी लोगों को संरक्षण देने के साथ ही भाजपा से अलग होकर बने एक गुट के साथ बढ़ती उनकी निकटता हैं।

सनद रहे कि पंचायत चुनाव सहित स्थानीय निकाय के चुनाव आले वर्ष होना हैं, लेकिन संगठन के नाम पर ना तो शहर की, ना ही ब्लाक की कार्यकारिणी का गठन हो पाया हैं, ना ही चुनाव को लेकर विधायक द्वारा कोई गम्भीरता दिखाई जा रही हैं। जिससे पार्टी कार्यकर्ता हताश नजर आ रहे हैं। पार्टी से त्यागपत्र देने वालों ने कहा कि विधायक का संगठन को मजबूत करने की ओर कोई ध्यान नहीं है, वे भाजपा

की बी टीम से नजदीकियां बढ़ाने में ही लगे हुए हैं। कार्यकर्ताओं की बातें सुनते तो हैं, लेकिन उनकी बातों को तवज्जो नहीं देते हैं।

पार्टी संगठन से त्यागपत्र देने वालों में मनीराम ठाकरे, रूपलाल चौहान, धनलाल पटले, डॉ रमेश क्षीरसागर, डॉ जय ठाकरे, सत्यप्रकाश सत्तू बिसेन, संतोष पटले, योगराज, महेश, सुरेंद्र चौहान, दीपक गौतम, राजाराम कुमार, रमेश टेम्भरे, पम्पू रिनायत, रंजन भगेल, दुर्गाप्रसाद बिसेन, नेतलाल ठाकरे, सोनू पारधी, अंजीलाल, महेश राजुरकर, दिलीप क्षीरसागर, यशवंत चौधरी, विनय पटले एवं योगराज ठाकरे शामिल हैं।

इनका कहना हैं..

यह कांग्रेस परिवार और संगठन का मामला है, परिवार में सहमति/असहमति होती हैं। हम मिल बैठ कर मामले को सुलझा लेंगे।

जितेंद्र सिंह राजपूत कांग्रेस मंडल अध्यक्ष डोंगरमाली

जन-गण-मन इंकलाब संघ के तत्वावधान में शिक्षक सम्मान एवं शिक्षा जागरूकता समारोह संपन्न

शिक्षकों का किया गया भव्य सम्मान, मेधावी छात्र-छात्राओं एवं NEET में सफल अर्थार्थियों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज लांजी।

सुनार-ककोड़ी में शिक्षक दिवस के अवसर पर रविवार, 6 सितंबर 2026 को शासकीय माध्यमिक शाला सुनार-ककोड़ी में “ जन-गण-मन इंकलाब संघ” के तत्वावधान में “शिक्षक सम्मान एवं शिक्षा जागरूकता समारोह” का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा महापुरुषों के छायाचित्र पर पूजन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, अभिभावक, माधेशक्ति, विद्यार्थी, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के वरिष्ठ नागरिक एवं सेवानिवृत्त शिक्षक एन.एल. तिडुके ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त शिक्षक यू.एस. येड़े उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में



सेवानिवृत्त शिक्षक किन्हेकर बड़घैया, प्रेमलाल मुरकुटे, श्यामदेव येरपुड़े एवं यू.आर. कुचल्लाह की उपस्थिति रही।

समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार एवं उज्ज्वल भविष्य की नींव भी रखते हैं। समाज निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वक्ताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के साथ ही बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने, उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।इस अवसर पर शिक्षा की उपयोगिता, जनजागरूकता,

सामाजिक जिम्मेदारी एवं नशामुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी अतिथियों ने अपने विचार रखे। अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें और उन्हें अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

कार्यक्रम में जन-गण-मन इंकलाब संघ के संयोजक श्री संजीव वाघाडे ने संगठन की भूमिका एवं उद्देश्यों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल में अनेक प्रतिभावान विद्यार्थी हैं, जिन्हें उचित मार्गदर्शन और

प्रोत्साहन मिलने पर वे बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। समारोह में श्रीमती चित्रलेखा बापु (सरपंच), दयाचंद बड़घैया (समाजसेवी), श्रीमती उर्मिला तिडुके (शिशु मंदिर प्रधानाचार्य), श्रीमती सरिता येरपुड़े (SMC अध्यक्ष), झंकार बड़घैया (पूर्व सरपंच) एवं डोमनसिंह बापु (पूर्व सरपंच) सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।इसके अलावा विनोद येरपुड़े, जागेश्वर बड़घैया, गणेश बंजारी (वरिष्ठ नागरिक) एवं सुभाष सोनवने सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम में जन-गण-मन इंकलाब संघ के संयोजक श्री संजीव वाघाडे ने संगठन की भूमिका एवं उद्देश्यों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल में अनेक प्रतिभावान विद्यार्थी हैं, जिन्हें उचित मार्गदर्शन और

भावांतर में धान शामिल करना किसानों से धोखा : किसान गर्जना के पदाधिकारी ने प्रेस वार्ता में भरी हुंकार



हरिभूमि न्यूज कटंगी। किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों ने सोमवार दोपहर 1 बजे स्थानीय विश्रामगृह में प्रेस वार्ता आयोजित कर सरकार पर किसानों से वादा खिलाफी का आरोप लगाया।प्रेस वार्ता में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी और युवा नेता आशुतोष बिसेन ने किसानों का पक्ष रखा। प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने कहा कि जब सरकार द्वारा पूर्व में भावांतर योजना के तहत धान को अलग रखा गया था, तो आखिर अब ऐसी क्या नीबत आ पड़ी कि धान को भावांतर योजना में शामिल किया जा रहा है। यह किसानों के हित में नहीं है।उन्होंने मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक द्वारा जारी पत्र का हवाला देते हुए बताया कि मंडी सचिवों को आदेशित किया गया

है कि वे मंडी परिसर में अस्थायी होर्डिंग लगाकर भावांतर योजना के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा दें। इससे साफ है कि सरकार धान को समर्थन मूल्य पर खरीदने से बचना चाहती है।युवा नेता आशुतोष बिसेन ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी की गारंटी के नाम पर किसानों को आश्वासन दिया गया था। कि धान की फसल का 3100 रुपये समर्थन मूल्य दिया जाएगा। लेकिन बीते दिनों पेंत्री द्वारा भावांतर योजना के वहत धान को शामिल किए जाने की बात कही गई।आशुतोष बिसेन ने इसे किसानों के साथ सरसर कर धोखा बताया और कहा कि यह किसानों के साथ वादा खिलाफी है। समर्थन मूल्य देने की वजाय भावांतर के नाम पर किसानों को भटकया जा रहा है। इससे छोटे और सीमांत किसानों को नुकसान होगा।।





जिला फुटबाल संघ सिवनी की प्रबंधकारिणी की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज सिवनी।। फुटबाल संघ सिवनी के नवीन पदाधिकारियों का निर्वाचन 30.08.2026 को संपन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से श्री मुर्तजा सेफी को अध्यक्ष,श्रीमति निशा ठाकुर एवं पवन नामदेव को उपाध्यक्ष बनाया गया। कोषाध्यक्ष श्रीमति शिखा शर्मा तथा सचिव श्रीमति नीता नेमा को निर्वाचित किया गया,अन्य पदाधिकारियों में वसीमअली, रेहान खान, श्रीमति भारती सिसोदिया, संजय ठाकुर,संदीप दुबे, शैलेन्द्र कर्वेती को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

सिवनी कॉलेज में जनभागीदारी समिति की बैठक की मांग

हरिभूमि न्यूज सिवनी।। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी में जनभागीदारी समिति की सामान्य परिषद की बैठक आयोजित कराने की मांग को लेकर Deepak Jaihind Team Seoni ने जिला कलेक्टर के समक्ष मांग-पत्र प्रस्तुत किया है। टीम ने कलेक्टर की मौजूदगी में बैठक शोध कराने की मांग की है। टीम ने बैठक में विद्यार्थियों की सुविधाओं, महाविद्यालय के विकास एवं मरम्मत कार्यों, जनभागीदारी समिति की आय-व्यय तथा पूर्व बैठकों में लिए गए निर्णयों की समीक्षा किए जाने की मांग रखी। टीम के स्नाहदुस्त्रद्भ्रम दीपक देहरिया ने कहा कि उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध जाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के हित, पारदर्शिता और महाविद्यालय के विकास से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना है।



**157वां साप्ताहिक संगीतमय
सुंदरकांड एवं हनुमान
चालीसा पाठ संपन्न**
हरिभूमि न्यूज सिवनी।। श्रीराम भक्त हनुमान जी महाराज एवं मां भगवती ज्वाला देवी की कृपा से 157वां साप्ताहिक संगीतमय सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा एवं महाभारती में सहभागिता की। कार्यक्रम में धार्मिक आयोजन के साथ वर्षाजनित बीमारियों से बचाव और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश भी दिया गया। श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाए रखने, शुद्ध एवं ताजा भोजन करने तथा बासी खाद्य पदार्थों से बचने की अपील की गई। वक्ताओं ने बदलते मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। इस सप्ताह के विशेष यजमान श्री ज्वाला देवी मंदिर समिति, सिवनी रही। विधि-विधान से पूजन-अर्चन के बाद संगीतमय सुंदरकांड, हनुमान चालीसा और भव्य महाभारती हुई। अंत में श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर सुखा, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

प्राचार्य समलसिंह कुमरे की 'मनमानी' से ग्रामीण और छात्र परेशान

धनौरा-विकास खंड धनौरा के अंतर्गत आने वाले शासकीय हाई स्कूल ग्वारी में इन दिनों शैक्षणिक माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है। स्कूल के प्राचार्य समलसिंह कुमरे पर संस्था के संचालन में गंभीर लापरवाही और अपनी मनमानी चलाने के आरोप लग रहे हैं। ग्रामीणों, पालकों और छात्रों में प्राचार्य की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शासकीय हाई स्कूल ग्वारी में लंबे समय से प्रशासनिक और शैक्षणिक अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है। स्थानीय स्तर पर मिल रही शिकायतों के मुताबिक प्राचार्य पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि समय पर स्कूल न आना और स्कूल के खुलने और बंद होने के निर्धारित समय का पालन न करना और अपनी मर्जी से संस्था का संचालन करना। शिक्षकों व स्टाफ से अमर्द व्यवहार और स्कूल स्टाप और बच्चों के पालकों की जायज बातों को नजरअंदाज करना और उनके साथ तानाशाही

100 वर्षों से रह रहा परिवार, 2017 के आदेश के बावजूद रिकॉर्ड में जमीन शासन के नाम

हरिभूमि न्यूज ►► छपारा।

करीब 100 वर्षों से एक ही स्थान पर निवास कर रहे गेंद लाल पाटर के परिवार ने खसरा क्रमांक 717 में स्थित 832 वर्गफीट आबादी भू-खण्ड की राजस्व स्थिति स्पष्ट करने की मांग प्रशासन से की है। परिवार का कहना है कि उनके पास वर्ष 2017 की राजस्व कार्रवाई से संबंधित दस्तावेज और आबादी भू-खण्ड धारक प्रमाण-पत्र मौजूद हैं, जबकि वर्तमान भू-अभिलेख में संबंधित खसरा शासकीय दर्ज है। परिवार के पास उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार, 29 सितंबर 2017 को रकबा प्रकरण क्रमांक 2547बी/121/2016-17 में खसरा क्रमांक 717 की कुल 1.25 हेक्टेयर भूमि में से 832 वर्गफीट भू-भाग से संबंधित आदेश जारी हुआ था। इसके अलावा तहसीलदार कार्यालय से जारी आबादी भू-खण्ड धारक प्रमाण-पत्र भी परिवार के पास उपलब्ध बताया गया है।

वर्तमान रिकॉर्ड में ‘मध्यप्रदेश शासन’ दर्ज

वहीं उपलब्ध वर्ष 2026-27 के कम्प्यूटीकृत भू-अभिलेख में खसरा क्रमांक 717 का कुल रकबा 1.2500 हेक्टेयर दर्ज है। खातेदार के नाम वाले कॉलम में ‘शासकीय, मध्यप्रदेश शासन’

माटी गणेश सिद्ध गणेश प्रशिक्षण संपन्न

धनौरा-मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद धनौरा जिला सिवनी में जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी के मार्गदर्शन में सेक्टर बेगरवानी के ग्राम पंचायत घोघरीमाल विकासखंड धनौरा में नर्मदा समग्र के संयुक्त अभियान के अंतर्गत माटी गणेश सिद्ध गणेश का प्रशिक्षण संपन्न हुआ सभी उपस्थित नवांकुर संस्था,प्रस्फुटन समिति,मेंटर्स एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पर्यायक्रम के छात्रों सहभागिता रही। श्याम उड़के विकासखंड समन्वयक द्वारा प्रशिक्षण के उद्देश्य को बताया गया मिट्टी से बने गणेश जी की मूर्ति पर्यावरण को साफ शुद्ध रख सकते हैं मिट्टी गणेश पानी में घुलनशील होता है जबकि पीओपी हमारे जल को प्रदूषित करती है इस तरह से हम



मिट्टी के गणेश बनाकर विसर्जन में पर्यावरण को संरक्षित कर सकते हैं आजकल बाजारों में जो मूर्तियाँ बिकने आती है उनमें पेंटिंग की जाती है जिसमें केमिकल होता है जो पानी को दूषित करते है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है अतः मध्यप्रदेश शासन के द्वारा मिट्टी के गणेश जी स्थापित करने हेतु जनजागरण चलाया जा रहा है जिसमें मध्यप्रदेश जनअभियान

परिषद की अहम भूमिका चल रही है।पूरा प्रशिक्षण श्याम उड़के विकासखंड समन्वयक के द्वारा दिया गया।प्रशिक्षण में नवांकुर संस्था से वकोमल सिंह उड़के व प्रस्फुटन से सुखदेव कौरैती ,रामकली उड़के उपसरपंच, वेदवती प्रस्फुटन सदस्य, रुकमा मरावी समूह सदस्य, बृजेश पटेल समाजसेवी,शमशेर खान पंचायत सचिव आदि उपस्थित रहे।

माँ बंजारी मंदिर में नवीन समिति गठन की कवायद, स्वच्छता अभियान के साथ वृक्षारोपण



केवलारी। माँ बंजारी मंदिर परिसर में नवीन समिति के गठन को लेकर ग्रामवासियों की महत्वपूर्ण सभा आयोजित की गई। सभा में वर्षों से चली आ रही मंदिर समिति के पुनर्गठन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामवासियों ने सर्वसम्मति से नवीन समिति के गठन की इच्छा जाहिर करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में नियमानुसार प्रक्रिया पूरी किए जाने पर सहमति व्यक्त की। ग्रामवासियों के अनुसार, वर्षों पूर्व गठित समिति के कई सदस्यों का निधन हो चुका है। ऐसी स्थिति में वर्तमान समिति के अध्यक्ष द्वारा पुरानी समिति की भंग कर नवीन समिति के गठन का प्रस्ताव रखा गया है। सभा में मौजूद लोगों ने मंदिर की व्यवस्थाओं को बेहतर, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए नई समिति के गठन पर अपनी सहमति जताई। इसी दौरान मंदिर परिसर की रखरख एवं सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। ग्रामवासियों और समिति से जुड़े लोगों ने जनसहयोग से मंदिर परिषद के आसपास जमा कचरा एवं गंदगी हटाकर साफ-सफाई की। इसके साथ ही परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने संकल्प लिया कि हर रविवार माँ बंजारी मंदिर एवं उसके परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं से भी अपील की जाएगी कि वे परिसर की रखरखा और पवित्रता का विशेष ध्यान रखें तथा कचरा धुंध-उधर न फेंकें। ग्रामवासियों ने प्रशासन से नवीन समिति के गठन की प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की उम्मीद जताई। साथ ही मंदिर परिसर की रखरखा, हरियाली और बेहतर व्यवस्थाओं के लिए निरंतर जनसहयोग जारी रखने का संकल्प लिया।

छपारा में भी मिलावटी शराब का अंदेशा: गली गली घाट बिक रही सस्ती शराब

छपारा। सिवनी जिले के छपारा में ऐसा माहौल है कि ऐसा कोई गाँव नहीं जहां 2-4 शराब दुकानें लगाकर बेची जा रही है। छपारा मुख्यालय के आधे से अधिक वार्डों में शराब दुकान के अहाता, सेंटर खुले हैं जहां घरों से लोगों को शराब उपलब्ध कराया जा रही है। यह पूरा खेल छपारा में शराब माफियाओं द्वारा संचालित किया जा रहा है। छपारा में दो लाइसेंसी दुकानें स्थित हैं। इन दुकानों की बिक्री से अधिक शराब गाँव और मोहल्लों में बिक रही है मजे की बात तो यह है कि शराब दुकानों में रे टू रेटर शराब बेची जा रही है, लेकिन वली मोहल्लो में मिलने वाली शराब अंधी कोमत में भी उपलब्ध हो रही है। आखिर कौन कर रहा है गाँव और मोहल्लो में शराब की पैकरी क्या आबकारी विभाग छपारा के इस पूरे खेल से अजनबन बैठा है? या फिर आबकारी विभाग व पुलिस विभाग का शराब तस्करी पर संरक्षण बना हुआ है। आखिर कैसे पहुंच रही हैं ठेके से ढाबों तक शराब

शासकीय हाई स्कूल ग्वारी में व्यवस्थाएं बेपटरी

कल्याण-विकास खंड धनौरा के अंतर्गत आने वाले शासकीय हाई स्कूल ग्वारी में इन दिनों शैक्षणिक माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है। स्कूल के प्राचार्य समलसिंह कुमरे पर संस्था के संचालन में गंभीर लापरवाही और अपनी मनमानी चलाने के आरोप लग रहे हैं। ग्रामीणों, पालकों और छात्रों में प्राचार्य की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शासकीय हाई स्कूल ग्वारी में लंबे समय से प्रशासनिक और शैक्षणिक अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है। स्थानीय स्तर पर मिल रही शिकायतों के मुताबिक प्राचार्य पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि समय पर स्कूल न आना और स्कूल के खुलने और बंद होने के निर्धारित समय का पालन न करना और अपनी मर्जी से संस्था का संचालन करना। शिक्षकों व स्टाफ से अमर्द व्यवहार और स्कूल स्टाप और बच्चों के पालकों की जायज बातों को नजरअंदाज करना और उनके साथ तानाशाही

कि अवैध शराब कारोबार का सबसे बड़ा खुलासा यह है कि अवैध शराब कारोबारी सीधे हाईवे के ढाबों और गाँव में मोहल्लों में सस्ती व मिलावटी शराब पहुंचा रहे हैं और वहां ठेके से भी कम दाम पर बेची जा रही है। शाम 6 बजे बाद सीधे ढाबों पर अवैध शराब कारोबारियों द्वारा शराब पहुंचाई जाती है। छपारा में उल्टी गंगा बह रही है ठेके से कम दाम में शराब, साथ में चखना और बैठने की व्यवस्था। यानी ढाबा नहीं, पूरा खुला अहाता देखने को मिल सकता है सवाल यह भी है कि गाँव में और छपारा के मोहल्लों पर शराब ठेके से आ रही है या कहीं और से यही सबसे बड़ा सवाल है। जो शराब रस आर पी से कम दाम पर आसानी से बांडेड नाम की शराब उपलब्ध कराई जा रही है।

कहीं जहर तो नहीं बांट रहे अवैध शराब कारोबारी

छपारा में शराब के अवैध कारोबार का सबसे बड़ा खुलासा यह है कि अवैध शराब कारोबारी सीधे हाईवे के ढाबों और गाँव में मोहल्लों में सस्ती व मिलावटी शराब पहुंचा रहे हैं और वहां ठेके से भी कम दाम पर बेची जा रही है। शाम 6 बजे बाद सीधे ढाबों पर अवैध शराब कारोबारियों द्वारा शराब पहुंचाई जाती है। छपारा में उल्टी गंगा बह रही है ठेके से कम दाम में शराब, साथ में चखना और बैठने की व्यवस्था। यानी ढाबा नहीं, पूरा खुला अहाता देखने को मिल सकता है सवाल यह भी है कि गाँव में और छपारा के मोहल्लों पर शराब ठेके से आ रही है या कहीं और से यही सबसे बड़ा सवाल है। जो शराब रस आर पी से कम दाम पर आसानी से बांडेड नाम की शराब उपलब्ध कराई जा रही है।

हरिभूमि न्यूज ►►सिवनी।

महासंघ ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि 11 सितंबर 2026 तक मांगों का ठोस निराकरण नहीं होने पर जिले के सहकारी समिति एवं संबंधित उचित मूल्य दुकान कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। महासंघ के अनुसार कुडारी समिति के गेहूँ प्रकरण में 1156.26 किंवटल का अंतर दर्शाया गया है, जबकि समिति द्वारा जुलाई में 18 लाख और 3 सितंबर को 10 लाख, कुल 28 लाख नागरिक आपूर्ति निगम के खाते में जमा किए जा चुके हैं। इसके बावजूद

बैगा बच्चों की मौत पर सिवनी में आक्रोश: गोंड समाज महासभा ने रानी दुर्गावती चौक पर कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि, 1 करोड़ मुआवजे की मांग



आदिवासी समाज को एकजुट करने और अपनी मांग बुलंद करने के लिए बड़ी संख्या में नेतृत्वकर्ता मौजूद रहे। शोकसभा में मुख्य रूप से गोंड समाज महासभा के जिला अध्यक्ष फितीउ सिंह कुशराम, कार्यकारी जिला अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह मसंकोले, कोषाध्यक्ष अशोक सिरसाम, आर्थिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष संतोष बरकट और नगर अध्यक्ष चिंटा सलामे उपस्थित रहे।

कहीं जहर तो नहीं बांट रहे अवैध शराब कारोबारी

कहीं ऐसा तो नहीं, नए युवाओं के साथ वह उनकी जिंदगी के साथ अवैध शराब कारोबारी मिलावटी शराब बेचकर। खिलवाड़ कर रहे हैं। छपारा-हाईवे मार्ग पर शाम दलते ही परिवार वाले ढाबों का नजारा बदल जाता है। महफिलें सज जाती हैं। एक-एक ढाबा रात में 1 से 2 पेटों तक खपा देता है। फोर व्हीलर से गांव-गांव होम डिलीवरी हो रही है। 14 साल के बच्चे तक नशे की चोट में हैं। अपराध बढ़ने की बड़ी वजह यही है। बिना एफ एल-2/एफएल 3 लाइसेंस के शराब पिलाना धारा 34 आबकारी एक्ट में अपराध है। फिर भी खुलेआम बिक्री जारी है। आबकारी विभाग और छपारा पुलिस की चुप्पी पर सवाल।

छपारा। नगर परिषद में विकास के बड़े-बड़े दावे तो हुए, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस है। नगर की जनता खुद को मतदान के नाम पर ठगा हुआ महसूस कर रही है। जो नाली-सडक ग्राम पंचायत के समय बनती थी, उसमें भी भ्रष्टाचार होता था, लेकिन नगर परिषद बनने के बाद तो भ्रष्टाचार ने सारी हद्दें पार कर दी हैं। नल-जल योजना के तहत खेदी हई सडकों को आज तक ठीक नहीं किया गया, जगह-जगह टूटी सडकों हडसों को न्योता दे रही हैं, राहगीरों को आने-जाने में परेशानी हो रही है, आए दिन एक्सीडेंट हो रहे हैं।

विपक्ष की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

बात-बात पर बोलने वाले विपक्षी पार्षद भी अब चुप हैं, सूत्रों का कहना है कि तगड़ा कमीशन मिलने के बाद सबकी जुबान पर ताला लगा गया है और नगर परिषद के जिम्मेदार भी चुप्पी साधे हुए हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना के

सिवनी। मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ, जिला सिवनी ने सेवा सहकारी समिति कुडारी के विरुद्ध दर्ज एफआईआर की निष्पक्ष पुनःजांच एवं दोषपूर्ण जाए जाने पर एफआईआर वापसी / निरस्तीकरण, खाद्यान्न की वास्तविक घटती मरपाई तथा कर्मचारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई पर रोक की मांग जिला कलेक्टर सिवनी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से की है।

एफआईआर दर्ज किए जाने पर महासंघ ने सवाल उठाते हुए जमा राशि के सत्यापन एवं प्रकरण में समायोजन की मांग की है। महासंघ ने छह सदस्यीय जांच दल की रिपोर्ट पर भी आपत्ति जताई है। रिपोर्ट पर केवल चार सदस्यों के हस्ताक्षर होने को लेकर यह स्पष्ट करने की मांग की गई है कि सभी सदस्यों की राय ली गई थी या नहीं तथा दो सदस्यों ने हस्ताक्षर क्यों नहीं किए।

सिवनी। मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ, जिला सिवनी ने सेवा सहकारी समिति कुडारी के विरुद्ध दर्ज एफआईआर की निष्पक्ष पुनःजांच एवं दोषपूर्ण जाए जाने पर एफआईआर वापसी / निरस्तीकरण, खाद्यान्न की वास्तविक घटती मरपाई तथा कर्मचारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई पर रोक की मांग जिला कलेक्टर सिवनी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से की है।

एफआईआर दर्ज किए जाने पर महासंघ ने सवाल उठाते हुए जमा राशि के सत्यापन एवं प्रकरण में समायोजन की मांग की है। महासंघ ने छह सदस्यीय जांच दल की रिपोर्ट पर भी आपत्ति जताई है। रिपोर्ट पर केवल चार सदस्यों के हस्ताक्षर होने को लेकर यह स्पष्ट करने की मांग की गई है कि सभी सदस्यों की राय ली गई थी या नहीं तथा दो सदस्यों ने हस्ताक्षर क्यों नहीं किए।

सिवनी। मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ, जिला सिवनी ने सेवा सहकारी समिति कुडारी के विरुद्ध दर्ज एफआईआर की निष्पक्ष पुनःजांच एवं दोषपूर्ण जाए जाने पर एफआईआर वापसी / निरस्तीकरण, खाद्यान्न की वास्तविक घटती मरपाई तथा कर्मचारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई पर रोक की मांग जिला कलेक्टर सिवनी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से की है।

बैगा बच्चों की मौत पर सिवनी में आक्रोश: गोंड समाज महासभा ने रानी दुर्गावती चौक पर कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि, 1 करोड़ मुआवजे की मांग

विजया उड़के ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई और प्रशासनिक उदासीनता की कड़े शब्दों में निंदा की।

शासन-प्रशासन की लापरवाही का आरोप

कैंडल मार्च के दौरान समाज प्रमुखों ने आरोप लगाया कि बिरसा क्षेत्र के बैगा आदिवासी अंचल में बुनियादी सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशासनिक मुस्तेदी की भारी कमी के कारण इतने बड़े पैमाने पर मासूम बच्चों की जान गई है। यह सीधे तौर पर शासन-प्रशासन की घोर लापरवाही को दर्शाता है। वक्ताओं ने कहा कि सरकार ने महज दो-दो लाख रुपये की राहत राशि देकर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया है, जो कि इस राष्ट्रीय मानव समाज के साथ सरसर अन्याय है। संगठनों ने सरकार के सामने रखी ये प्रमुख मांगें: 1 करोड़ रुपये का मुआवजा पीड़ित बैगा आदिवासी परिवारों की

दयनीय स्थिति को देखते हुए प्रत्येक मृतक बच्चे के परिवार को एक-एक करोड़ रुपये का सम्मानजनक मुआवजा तत्काल दिया जाए।
दोषियों पर तत्काल कार्रवाई: इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर उन्हें तत्काल सेवा से पृथक किया जाए।संबंधित मंत्री का इस्तीफा: घटना की नैतिक जिम्मेदारी तय करते हुए संबंधित विभाग के मंत्री को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटाने की कार्रवाई की जाए।रानी दुर्गावती चौक पर उपस्थित समस्त सामाजिक संगठनों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर चेतावनी दी है कि यदि आदिवासी समाज की इन जायज मांगों पर शासन द्वारा शीघ्र सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में समूचा आदिवासी समाज मिलकर उग्र लोकतांत्रिक आंदोलन के लिए विवश होगा।

बरघाट में रात के अंधेरे में स्कूल के पीछे दिखी बाघिन, दो शावकों के साथ ग्रामीणों में दहशत

सिवनी। बरघाट तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बम्हीड़ी में उस समय ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया, जब रात करीब 9 बजे स्कूल के पीछे एक बाघिन अपने दो शावकों के साथ दिखाई दी। गांव के आबादी क्षेत्र के समीप एक साथ तीन वन्यजीवों की मौजूदगी की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में हडकंप मच गया। बताया जा रहा है कि स्कूल के पीछे रात के समय बाघिन और उसके दो बच्चों को देखे जाने की जानकारी ग्रामीणों के बीच तेजी से फैल गई। इसके बाद लोग अपने घरों से बाहर निकलने से बचते नजर आए। ग्रामीणों के अनुसार, जिस स्थान पर बाघिन और शावक दिखाई दिए, वह गांव के रहवासी क्षेत्र के काफी नजदीक है, जिससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है।



नगर में अपेक्षा अनुरूप नहीं हुआ विकास, मतदान के नाम पर टगा महसूस कर रही जनता



नाम पर पीट थपथपाना

नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना को कैद की योजना है और अन्य ग्राम पंचायतों को भी बराबर लाभ दे रही है, उसमें चंद मकान स्वीकृत करवाकर नगर परिषद अपनी पीठ थपथपा रही है। बताया जा रहा है कि नौ माह बाद परिषद के पुनः चुनाव होंगे, जिसमें वर्तमान कार्यप्रणाली

फायदा लेने के लिए चंद प्रधानमंत्री आवास बनवाकर आगामी चुनावों में अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाह रही है।
गंदगी का अंबार, परिषद बेखबर

नगर में गंदगी फैली है लेकिन नगर परिषद को होश नहीं। बस स्टैंड से लेकर बैनगाना नदी तक जहां देखो जहां गंदगी और कचरे के ढेर लगें हैं। स्वच्छता के नाम पर बजट तो आ रहा है, लेकिन नगर परिषद भ्रष्टाचार में व्यस्त है, नगर से कोई सरोकार नहीं।

मले नगर का विकास नहीं हुआ, लेकिन परिषद के जिम्मेदार मालामाल हो गए कागजों में लाखों के बिल, धरातल पर घटिया निर्माण। जिस तेजी से जिम्मेदारों की संपत्ति, गाड़ियां और रसूख बढ़ा है, उससे साफ है कि विकास नगर का नहीं, बल्कि उनका खुद का हुआ है। जनता का सीधा सवाल है नगर का फुड खा कौन गया और इस टूट का हिसाब कौन देगा?

परिजनों ने महिला को स्ट्रेचर पर ले जाकर कलेक्टर से की शिकायत किरनापुर थाने में पुलिस की हैवानियत, गर्भवती महिला और पति को नग्न करके पीटा

पुलिस अधीक्षक ने एसआई सहित तीन पुलिसकर्मियों को किया निलंबित, एसआईटी टीम गठित, मामले की जांच जारी

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के किरनापुर थाने में चोरी के मामले में पूछताछ के लिए बुलाए गए पति-पत्नी से मारपीट के आरोप के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। SI समेत 4 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। आरोप है कि दो माह की गर्भवती महिला और उसके पति को थाने में कपड़े उतरवाकर पीटा गया।

सोमवार को परिजन महिला को स्ट्रेचर पर लेकर एसपी ऑफिस पहुंचे और एसपी से शिकायत की। इसके बाद एसपी ने चारों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया और मामले की जांच के लिए SIT गठित की है।

इधर, सोमवार को बालाघाट पहुंचे प्रभारी मंत्री उदयप्रताप से भी मामले को लेकर सवाल किया गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और गाड़ी में बैठकर चले गए।

एसपी आदित्य मिश्रा ने उपनिरीक्षक दामेन्द्र तुरकर, प्रधान आरक्षक आशीष बघेल, आरक्षक कपिल बघेल और महिला आरक्षक मेधा टेकाम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रक्षित केंद्र भेज दिया है। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए DSP प्रतिष्ठा राठौर के नेतृत्व में चार सदस्यीय SIT बनाई गई है। टीम को दो सप्ताह में जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

कैलाश चौधरी के रिटायर्ड फौजी रिश्तेदार तोषण राहंगडाले और देवर रवि चौधरी ने कलेक्टर को शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि 2 सितंबर की रात किरनापुर थाने में पुलिसकर्मियों ने चोरी कबूल करवाने के लिए कैलाश और उसकी पत्नी सावित्री के कपड़े उतरवाकर मारपीट की।

रिटायर्ड फौजी के मुताबिक, गिरफ्तारी के बाद सावित्री को 3 सितंबर शाम तक थाने में रखा गया। इस दौरान उसके साथ अमानवीय मारपीट की गई। देवर रवि चौधरी ने बताया कि सावित्री दो माह की गर्भवती हैं। उनके शरीर और पैरों पर मारपीट के निशान हैं। परिजनों ने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ



केस दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

मामला 21 अगस्त का है। किरनापुर थाना क्षेत्र के पालडोंगरी के नागुटोला गांव की शीला कारमेगे और अलका गिरिया किरनापुर पोस्ट ऑफिस गई थीं। शीला ने अपने बैंक खाते से एक लाख रुपए निकाले थे। शीला के मुताबिक, वह पैसे गिन रही थी, तभी एक अनजान व्यक्ति ने नोटों के बंडल से रबर निकालकर गिनने को कहा। इसी दौरान किसी ने अलका गिरिया के बैग से 50 हजार रुपए चोरी कर लिए। शीला ने किरनापुर थाने में शिकायत की थी। पुलिस ने इसी मामले में कैलाश चौधरी और उसकी पत्नी सावित्री चौधरी को 2 सितंबर को पूछताछ के लिए थाने बुलाया था।



परिजनों का आरोप है कि किसी के कहने पर पुलिस दोनों को थाने ले गई और पूछताछ के नाम पर उनके साथ बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की परिजनों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, राष्ट्रीय एवं राज्य महिला आयोग और पूर्व विधायक हीना कांवरे को भी शिकायत भेजी है।

जिला पंचार क्षत्रिय संगठन पंचार समाज बालाघाट द्वारा जिला मुख्यालय में आयोजित किया गया रक्तदान शिविर



हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

पंचार समाज जिला बालाघाट द्वारा आज बालाघाट मुख्यालय स्थित पंचार छात्रावास परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए पंचार समाज जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने बताया कि आज का रक्तदान शिविर समाज में रक्तदान हेतु जागरूकता लाने हेतु आयोजित किया गया है, इस शिविर का उद्देश्य है कि जिलेवासियों में रक्तदान करने हेतु प्रेरणा प्रेषित होवे एवं रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों की निस्वार्थ रक्त उपलब्ध हो सकते, उन्होंने बताया कि आज इस शिविर में महिलाओं के साथ ही अन्य समाज के जागरूक नागरिकों ने भी पहुंचकर रक्तदान किया है। विशाल बिसेन ने समस्त रक्तदान

दाताओं का आभार व्यक्त किया है साथ ही उत्साहवर्धन हेतु पहुंचे समाज जनों का भी आभार व्यक्त किया है।

रक्तदान दाताओं में संतोष बिसेन, मितेश बिसेन, डॉ अक्षय कटरे, आर्यन बिसेन, योगेश देशमुख, ब्रजेश पारधी, श्रीराम तूरकर, मनोज भैरम, महेंद्र बिसेन, संतोष पटेल, नरेंद्र बोपचे, चैनलाल क्षीरसागर, तपन राजा चौधरी, थामेश अमूले, सुकराम पटेल, नितेश कटरे, लोकेश गौतम, श्रीमती कविता ठाकरे, अनिकेत कटरे, रमेश कुमार बिसेन, श्रीमती हेमा गौतम, सुरेश कटरे, मुकेश गौतम, वैभव सिंह बिसेन, दिग्विजय राहंगडाले, कुलपत पटेल, गौरीशंकर राहंगडाले, उज्ज्वल बिसेन, रामप्रसाद बिसेन, आदित्य राणा, गिलेन्द्रकुमार कटरे

एवं साथ है आशीष शुक्ला, गीताप्रसाद दमाहे, लक्ष्मण लिलहारे, रितेश खंडेलवाल ने भी रक्तदान किया। आज के कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष फत्तुलाल बिसेन, पलक संरक्षक बी.आर. भैरम, जिला महासचिव डॉ राजेंद्र एल कटरे, जिला कोषाध्यक्ष शैलेंद्र राहंगडाले, जिला उपाध्यक्ष डॉ प्रतिभा बिसेन, श्रीमती गरिमा गौतम, श्रीमती गायत्री बिसेन, श्रीमती ज्ञानु बिसेन, श्रीमती पूनम चौधरी, युवा महासचिव पवन बोपचे, राजा भांज फाउंडेशन संयोजक गुनेंद्र पटेल, दीपक पटेल, पूर्व युवा अध्यक्ष दिलीप राहंगडाले, अजय हरिनखेडे, नगर महासचिव दिग्विजय रिनयत, उपाध्यक्ष चेतन पटेल, युवा उपाध्यक्ष वंश देशमुख, सुशील राहंगडाले एवं अन्य समाज जन उपस्थित रहे।

डाईट बालाघाट में कानूनी साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय बालाघाट द्वारा डाईट बालाघाट में कानूनी साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मान. सतीष शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती निहारिका

बीजा टोला में धूमधाम से मनाई गई कृष्ण जन्माष्टमी

अहीर एवं ग्वारा समाज के संयुक्त आयोजन में निकली भव्य रैली, जयकारों से गुंजा क्षेत्र

हरिभूमि न्यूज परसवाड़ा।

बीजा टोला, परसवाड़ा में अहीर समाज एवं ग्वारा समाज के संयुक्त से भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव कृष्ण जन्माष्टमी पर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बीजा टोला चौक से परसवाड़ा तक भव्य रैली निकाली गई, जिसमें समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

रैली के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की भव्य झांकी के साथ श्रद्धालु जय श्रीकृष्ण के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। रैली के कारण पूरे क्षेत्र में उत्सव एवं भक्ति का माहौल बना रहा।

आदर्श दुर्गा उत्सव समिति गरा के अध्यक्ष बने दिलीप भैरम

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

7 सितंबर 2026 की शाम कार्यालय ग्राम पंचायत गरा में नवरात्री पर्व एवं दशहरा पर्व के कार्यक्रमों के विषय में समस्त ग्राम वासियों की एवं मातारानी एवं राम भक्तों की बैठक रखी गई थी। उक्त बैठक में सर्व सहमति से राज्य सरकार द्वारा पंजीकृत (पंजीयन क्रमांक 04/ 21/ 08/ 25586/ 26) आदर्श नवदुर्गा उत्सव समिति गरा के अध्यक्ष पद हेतु दिलीप शिवराम भैरम एवं दशहरा उत्सव

समिति गरा के अध्यक्ष पद हेतु राजा सीताराम ठाकरे को सर्व सहमति से नियुक्त किया गया है। उक्त नियुक्ति शासन द्वारा पंजीकृत समिति एवं ग्राम सभा के प्रस्ताव एवं नियम अनुसार वर्ष 2030 तक रहेगी।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने प्रभावित ग्रामों में पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट द्वारा 7 सितंबर 2026 को प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विभिन्न ग्रामों में आवश्यक कार्य किए गए। विभागीय अमले द्वारा मछरदा, सोनगुड़ा, पाथरी, बिठली, नवही, जाल्दा, अडोरी, लोरमी सहित अन्य ग्रामों में हैंडपंपों के आसपास ब्लॉकिंग पाउडर का छिड़काव, क्लोरीनेशन एवं हैंडपंपों का सुधार कार्य किया गया। इन कार्यों के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों की स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए गए। विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों की निगरानी एवं आवश्यक सुधार कार्य लगातार किए जा रहे हैं।



विकास खण्ड स्तरीय मेट संघों की विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज किरनापुर। ब्लाक जी रामजी मेट संघ किरनापुर की मासिक बैठक जनपद पंचायत के प्रांगण में हुई, जिसमें सभी पंचायतों के मेट उपस्थित हुए। मेट संघ की दशा, दिशा व गति प्रदान करने तथा आगे सुचारू रूप से संचालित करने तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि प्रशासन द्वारा मनरेगा की जगह जी राम जी योजना जुलाई माह से शुरू की गई है जिसमें मेट्रो कुशल मजदूरी देने एवं मंडे को लेकर चर्चा की गई मर गया के तहत मेट्रो द्वारा अर्ध कुशल के रूप कार्य किया गया था जिसका भुगतान अभी तक नहीं किया गया है शासन संगठन द्वारा शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए मेट्रो का भुगतान अति शीघ्र किया जाऊ जिम उपस्थित जिला अध्यक्ष द्वारा भी श्री चुन्नीलाल पारधी शासन की मेट विरोधी नीति का पुरजोर

तरह से संघर्ष के रूप में कहा गया और अवाम समय अक्टूबर माह में बालाघाट एवं भोपाल में महा आंदोलन करने की चेतावनी अध्यक्ष द्वारा की गई। जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष रेखलाल सोनेकर द्वारा भी अपनी बात रखी गई जिसमें इस बैठक में जिला अध्यक्ष चुन्नीलाल पारधी, जिला मीडिया प्रभारी प्रदीप गनवीर, ब्लॉक अध्यक्ष रेखलाल सोनेकर, उपाध्यक्ष संगीता मेश्राम, सचिव धर्मेंद्र टेंडरे, संरक्षक डिलनसिंह बांट, मिडिया प्रभारी भोजराज पाचे, सेक्टर टेकचंद कावरे, शशांक मेश्राम, खेमेश्वरी राहंगडाले, अनसूया, सरिता, सरिता घोर मारे, हस्तकला बिसेन, नर्मदा रावते, अमरवंती गजभिप, सरिता बिसेन, गीता पटेल, किरण तुरकर, अंजना बोपचे, रेखा प्रधान, रिना मेश्राम, माधुरी वानखेडे, ममता लिल्लारे, संगीता मेश्राम, मंजू लता माहुले,

संतोषी पाचे, शकुंतला मेंडे, वंदना मेश्राम, दिनेश दुफारे, महेश बेंदे, चानेशकुर्वे, लता सरोते, सुनंदा दौनोडे, सरस्वती पंचाले, देवेंद्र सीहोरे, भोजराज पाचे, टेकचंद कावरे सुरेंद्र कावरे, महेश वेध, विनोद कॉमडे, डिलेश्वर पटले, राधेश्याम लिलहारे, कुमंद्र पटले, विद्या लाल टेभरे, लेखराम धरते, पुनाराम उके, रविता कॉमडे, प्रेमलता दुफारे, बसंती जामरे, सुलोचना बिसेन, तीजन बोपचे, वंचिता बगरे, ज्योतिलिलहारे, रंघनवंती सिंघनधूपे, सीता पाचे, सुरेखा पाचे, किरण रामटेके, खेमेश्वरी हलकर, कविता बर्वे, दीपक जाट, कुंवरलाल मेश्राम, विपिन बड़ई, दीपक बिसेन दीपक राठौड़, सविता उके, भारती वाघमारे, सतमेश्वरी कोहरे, राधा कौहरे, भूमेश्वरी पटले, मनोरमा गजभिप, कविता मानेश्वर आदि की उपस्थिति में यह बैठक आहुति की गई।

हक के लिए सड़कों पर उतारे वंशानुगत ढीमर मछुआरे, जनपद कार्यालय के सामने भूख हड़ताल शुरू



हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में वंशानुगत ढीमर मछुआरा समाज सोमवार से जनपद पंचायत कार्यालय के सामने क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठ गया है। तकरीबन 50 से ज्यादा मछुआरे अपने हक और अधिकार की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि वंशानुगत होने के बावजूद उन्हें मछली पकड़ने का अधिकार नहीं मिल रहा है। उनके क्षेत्र में गैर-वंशानुगत लोग मछुआ समिति में शामिल होकर उनका हक छीन रहे हैं मछुआरों के आंदोलन की अगुवाई कर रहे शेखर जायसवाल ने बताया कि वंशानुगत मछुआरे पिछले 2 सालों से अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन आज तक उनकी समस्याओं का कोई समाधान नहीं हुआ और न ही उन्हें न्याय मिला। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों पर मिलीभगत और उदासीनता का आरोप लगाया, जिसके कारण उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है।

सोमवार को वारासिवनी विधायक विवेक पटेल ने भी वंशानुगत मछुआरों की मांगों को सही ठहराते हुए

अपना समर्थन दिया। विधायक विवेक पटेल ने प्रशासन से अपील की कि वे मछुआ समाज के लोगों की बातों को गंभीरता से सुनें और उनकी समस्याओं का समाधान करें। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे लालबरां के पाथरशाही निवासी शेखर जायसवाल ने बताया कि दो दिनों तक क्रमिक भूख हड़ताल जारी रहेगी। इसके बाद आमरण अनशन शुरू किया जाएगा। उन्होंने उपायुक्त सहकारिता राजेश उईके को तुरंत पद से हटाने की मांग की। जायसवाल का आरोप है कि राजेश उईके कलेक्टर और सीईओ के आदेशों की अनदेखी कर वंशानुगत मछुआ जाति के लोगों का हक मार रहे हैं।

उपायुक्त सहकारिता राजेश उईके ने कहा कि जाति के आधार पर किसी को हटाने का अधिकार उनके पास नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि मत्स्य विभाग यह जानकारी देता है कि ये मछुआरे नहीं हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी फिलहाल, वंशानुगत मछुआ समाज का यह आंदोलन जारी है। आगामी दिनों में इसके और व्यापक होने की संभावना है, क्योंकि इस बार मछुआ समाज के लोग मुख्यालय में आर-पार की लड़ाई लड़ने आए हैं।